मैं भी दिल्ली
अब शहर साथ बनाएंगे

# कौन है मास्टर क्या है प्लान?

## टूलकिट गाइड

# इस गाइड में क्या है?

*यह गाइड वर्कशॉप होस्ट के लिए डिज़ाइन की गई है ताकि इसकी मदद से वह **"कौन है मास्टर? क्या है प्लान?"** की वर्कशॉप कर पाएं। इस गाइड में निम्नलिखित भाग मौजूद हैं:*


*1. मास्टर प्लान के बारें में जानें*

*2. टूलकिट*

*3. वर्कशॉप की जानकारी*

*4. गतिविधियां*

*5. आखरी भाग*


## इस गाइड को कैसे इस्तेमाल करना है?

*वर्कशॉप से पहले गाइड को अच्छी तरह से पढ़ लें। **भाग 1** में मास्टर प्लान के बारे में जानकारी दी गई है जो वर्कशॉप के दौरान काम आएगा। **भाग 2** में टूलकिट के हिस्सों और उपयोग की जानकारी दी गई है। **भाग 3** में वर्कशॉप की शुरुआत में आइस-ब्रेकिंग के दौरान की जाने वाली सभी गतिविधियां शामिल हैं। चित्र के माध्यम से भी इन्हें समझाया गया है।*

***भाग 4** में हर गतिविधि के लिए 2 पन्ने दिए गए हैं जिनमें उनके उद्देश्य और प्रक्रिया को अच्छे से समझाया गया है। प्रक्रिया के हर कदम के साथ चित्र भी जोड़े गए हैं। इसके साथ कुछ पॉइंट्स भी दिए गए हैं जिनपर वर्कशॉप के दौरान होस्ट सदस्यों के साथ चर्चा कर सकते हैं।*

***भाग 5** अंतिम सत्र है और उसमे जो-जो कार्य होस्ट को करने हैं वह इसमें शामिल हैं।*



# 1. मास्टर प्लान के बारें में जानें

### 1. परिचय

- दिल्ली मास्टर प्लान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विकास और निर्माण परियोजना पर दिशा निर्देश प्रदान करने के लिए हर 20 साल डी.डी.ए. द्वारा तैयार किया जाता है। इसमें यातायात, आवास, सुविधाएं, रोज़गार, आदि की योजना शामिल है।
- मास्टर प्लान के 2 रूप होते हैं - एक रिपोर्ट और दूसरा शहर का लैंड-यूज़ नक्शा। इस साल 2041 का मास्टर प्लान डीडीए द्वारा तैयार कर दिया गया है। पिछले 3 सालों के मास्टर प्लान के लैंड-यूज़ नक़्शे नीचे दिए गए हैं :

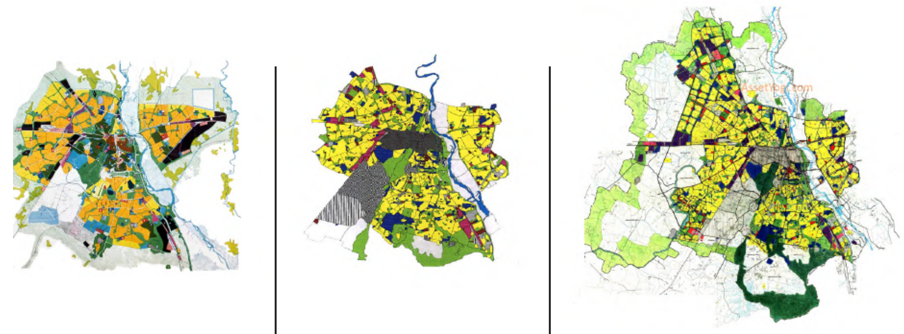

1962, 1982 के लिए | 2001 | 2021

### 2. विवरण

ऊपर दिए गए लैंड-यूज़ (भूमी उपयोग) नक्शों में अलग अलग रंग हैं। पीला रंग आवास, लाल रंग व्यावसायिक, हरा रंग हरे क्षेत्र और नीला रंग सार्वजनिक सुविद्याओं को दर्शाता है।

# 2. टूलकिट

*टूलकिट के अंदर वर्कशॉप का सारा सामान मौजूद है । डब्बे के अंदर 6 खाने बने हुए हैं जिनमें हर गतिविधि के मुताबिक़ सामान रखा हुआ है । इन खानों के कवर पर गतिविधि का नाम लिखा है जो मास्टर प्लान की रिपोर्ट के अलग-अलग भाग हैं ।*

## प्रारूप

वर्कशॉप के दौरान सदस्य और होस्ट गतिविधियों में भाग लेने के लिए फर्श पर बैठेंगे।

वर्कशॉप में आने वाले सदस्यों के पास जितना समय होगा, उसी अनुसार कितनी गतिविधियां हो सकती हैं इसका फैसला होगा। 2 घंटे के समय में 3-4 गतिविधियां की जा सकती हैं।

## टूलकिट के हिस्से

*इस गाइड में हर एक हिस्से का इस्तेमाल किस तरह होगा, वह हर गतिविधि के साथ दिया हुआ है । हर गतिविधि से पहले सामान को बाहर निकालें और अंत में उसे अच्छे से खाने के अंदर डालें । ध्यान रखें की कोई भी सामान छूटे न!*

1. टूलकिट डब्बा

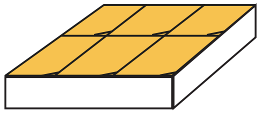

2. खानो के कवर

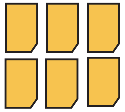

3. दिल्ली का नक्शा

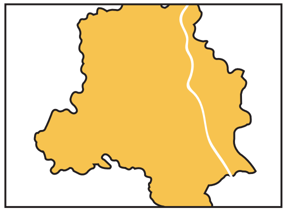

4. मास्टर प्लान

5. बैलट चार्ट

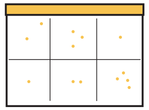

6. इनफार्मेशन कार्ड्स

7. बिंदी

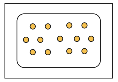

8. टेप

9. स्लेट और चॉक

10. कैलकुलेटर

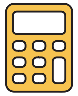

11. पर्चे

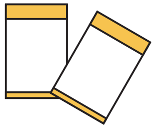

12. टूलकिट गाइड

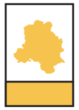

# 3. वर्कशॉप की जानकारी

## 1. एनेरजाइज़र

- **लोगों का परिचय:** सबको अपना नाम और काम के बारें में बताने के लिए बोलें | उनसे उनके दिन के बारें में पूछें या कुछ गेम खेलें ताकि सब थोड़ा खुल जाएं ।

- **वर्कशॉप का उद्देश्य :** सदस्यों से पूछें की सभी किस बारें में चर्चा करने के लिए इकट्ठे हुए हैं । यह समझने के बाद वर्कशॉप के उद्देश्य के बारें में सभी को विस्तार से बताएं ।
  *वर्कशॉप का उद्देश्य :* इस वर्कशॉप के माध्यम से हम लोगों को मास्टर प्लान के बारें में जानकारी देना चाहते हैं और यह बताना चाहते हैं की इससे हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है । दिल्ली के अगले मास्टर प्लान का ड्राफ्ट निकलने वाला है इसलिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है ताकि वह अपनी ज़रूरतों और माँगों को सरकार तक पहुँचा पाएं ।

## 2. मास्टर प्लान क्या है?

सदस्यों से पूछें की उनको क्या लगता है मास्टर प्लान क्या हो सकता है और इसे कौन बनाता होगा । कुछ जवाब लेने के बाद, उन्हें मास्टर प्लान की सारी जानकारी दें । यह करने के बाद पिछले बने 3 मास्टर प्लान को लोगों को दिखाएं और उनका विवरण दें । *जानकारी के लिए भाग 1 पर जाएँ*

## 3. थीम चुनना

मास्टर प्लान की जानकारी देने के बाद टूलकिट में मौजूद 6 गतिविधियों का परिचय दें । सदस्यों को बताएं की यह मास्टर प्लान की रिपोर्ट के अलग-अलग भाग हैं जिनको सरल तरीके से यहाँ बताया जाएगा । इसके बाद उनसे पूछें की वह किन मुद्दों पर चर्चा करना चाहेंगे और उन्हें चुनने के लिए बोलें ।

1 2 3 4 5 6

## 4. हम कहाँ हैं?

थीम चुनने के बाद दिल्ली के नक़्शे को खोलकर बीच में रखें और सदस्यों को नक़्शे का विवरण दें । इसके बाद जिस जगह पर आप मौजूद हैं उसे नक़्शे पर ढूंढ़ने के लिए बोलें । ऐसा करने के बाद किसी भी एक सदस्य को उस जगह पर बिंदी चिपकाने के लिए बोलें ।

# 4. गतिविधियां

## उद्देश्य :

*इस गतिविधि का उद्देश्य है लोगों से यह जानना की वह सबसे ज़्यादा कहाँ जाते हैं - जिस से यह चर्चा कर सकें की उनका कितना समय और ख़र्चा यातायात में जाता है। इसके ज़रिये से, लोगों से यह चर्चा करना की हमारे शहर की परिवहन प्रणाली सभी निवासियों के लिए किफायती और आसान होनी चाहिए।*

## प्रक्रिया :

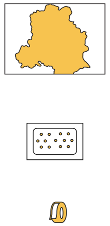

### 01 आप सबसे ज़्यादा कहाँ जाते हैं ?

सदस्यों से पूछें वह किस यातायात सुविधा को अपनाते हैं और उनका रास्ता क्या होता है। इसके बाद जहाँ वह जाते हैं वहां पर बिंदी लगाने के लिए बोलें। इसके बाद बिंदीयों को टेप के माध्यम से जोड़ें।

### 02 अपना ख़र्चा गिनें

सदस्यों से उनके खर्चे पर चर्चा करें और यह भी की वह महीने में कितनी बार जाते हैं। इसके बाद महीने के खर्चे के हिसाब पर चर्चा करें और यह बताएं की किफायती यातायात हमारी मासिक आमदनी के 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।

### 03 आपका कितना समय लगता है ?

खर्चा निकालने के बाद सबसे पूछें की उनका यात्रा पर कितना समय लग जाता है ।

### 04 विचार-विमर्श

प्रक्रिया ख़तम होने पर सदस्यों से चर्चा करें की हमारे शहर की यातायात सुविधा कैसी होनी चाहिए और उनकी क्या-क्या दिक्कतें और ज़रूरतें हैं।



## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. पीक आवर की यात्रा 45 मिनट के भीतर होनी चाहिए और आपके घर से 5 मिनट के भीतर बसें चलनी चाहिए।

2. हमारी सड़कों को पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित होना चाहिए।

## याद रखें

1. दिल्ली में औसत यात्रा की लम्बाई 13 किलोमीटर है ।

2. प्रति माह आपकी यात्रा की लागत आपके मासिक आय के 10% होनी चाहिए किफायती होने के लिए।

## गतिविधि के परिणाम:

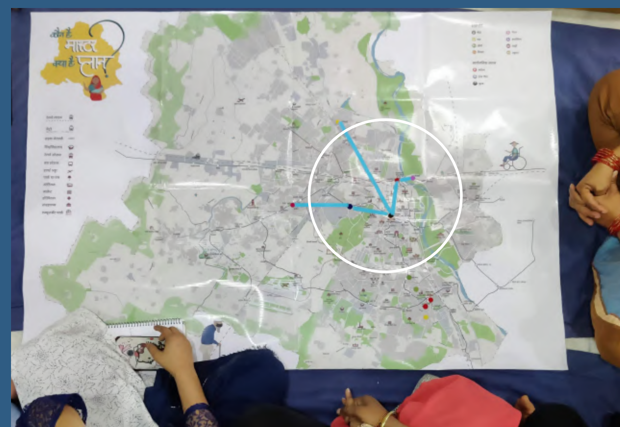

## उद्देश्य :

*इस गतिविधि के माध्यम से हम लोगों को किफायती आवास का मतलब बताना चाहते हैं। ऐसा करने के लिए हम उनके जीवन यापन की लागत और उनके पास पर्याप्त आवास है या नहीं, इसकी चर्चा करेंगे।*

## प्रक्रिया :

### 01 विभिन्न आय समूहों के अनुसार आवास

इनफार्मेशन कार्ड का इस्तेमाल करके सदस्यों के साथ विभिन प्रकार के आवास और आमदनी से जुडे हुए डी.डी.ए. वर्गों के बारे में चर्चा करें। उनके बीच के अंतर और उन श्रेणियों में आवास की कमी के बारे में बात करें जिनकी इसे सबसे अधिक आवश्यकता है।

### 02 आपके घर का क्षेत्र क्या है?

सदस्यों से उनके घर के क्षेत्र के बारे में पूछें। फिर उनसे पूछें की उनके परिवार में कितने सदस्य हैं और प्रति व्यक्ति क्षेत्र की गणना करें। अगर यह १५ गज से कम है तो यह चर्चा करें की इसका कारण है शहर में किफायती आवास की कमी।

### 03 आपके घर का किराया कितना है?

सदस्यों से पूछें की वह लगभग कितना किराया दे रहे हैं और यह गणना करें की उनके महौल्ले में एक गज का कितना किराया लगता है। इसके बाद चर्चा करें की सदस्यों का किराया उनकी मासिक पारिवारिक आमदनी के एक तिहाई से ज़्यादा है या कम।

### 04 विचार-विमर्श

मासिक पारिवारिक आय के आधार पर उस महौल्ले में घर खरीदने की क्षमता पर चर्चा करें। आखिर में सदस्यों के साथ यह निश्चित करें की किफायती आवास क्या होना चाहिए।



## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. सबसे ज़्यादा आवास की कमी EWS और LIG वर्गों में है लेकिन सरकार ज़्यादातर MIG और HIG वर्गों के लिए ही आवास बना रही है।

2. गरीब वर्ग में आवास की कमी 99% है और HIG/ MIG में यह केवल 0.2% है।

## याद रखें

1. एक व्यक्ति को पर्याप्त आवास के लिए 15 गज की आवश्यकता है।

2. आपका किराया किफायती होने के लिए यह आपके मासिक आय के 1/3 से अधिक नहीं होना चाहिए।

3. एक घर खरीदने में सक्षम होने के लिए घर का दाम आपकी वार्षिक आय से 5 गुना से अधिक नहीं होना चाहिए।

## गतिविधि के परिणाम:

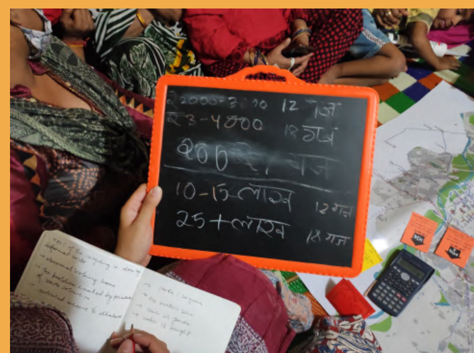

# गतिविधि 3 : सुविधाएँ

## उद्देश्य :

*इस गतिविधि के माध्यम से हम दिल्ली भर में सेवाओं के वितरण में असमानता के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, पानी का उदाहरण लेकर।*

## प्रक्रिया :

### 01 आपका पानी कहाँ से आता है?

पानी के स्रोत वाले इनफार्मेशन कार्ड का उपयोग करते हुए, सदस्यों से पूछें कि उनके इलाके में पानी कैसे आता है।

### 02 आप पानी को कैसे जमा करते हैं?

सदस्यों को विभिन्न जल भंडारण कार्ड दिखाएं और उनसे पूछें कि वे अपने पानी को कैसे जमा करते हैं।

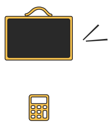

### 03 आप कितना पानी इस्तेमाल करते हैं?

इसके बाद, सदस्यों से पूछें कि उनका पूरा परिवार एक दिन में कितना पानी इस्तेमाल करता है और प्रत्येक व्यक्ति को कितना पानी मिल रहा है, उसकी गणना करें। पानी की उचित मात्रा के बारे में बात करें जो हर व्यक्ति को सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार हर दिन मिलनी चाहिए।

### 04 विचार-विमर्श

शहर में स्वच्छ पीने के पानी की कमी के बारे में बात करें और चर्चा करें की सरकार को अगले मास्टर प्लान में इसे कैसे ध्यान में रखना चाहिए ताकि लोगों तक इसकी पहुंच हो सके।

## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. दिल्ली जल बोर्ड के हिसाब से दिल्ली में जहाँ हर एक व्यक्ति को 17 बाल्टियां मिलनी चाहिए, वहीं केवल 2-3 बाल्टी ही मिल पाती है।

2. लोगों को कई बार पीने का पानी खरीदकर पीना पढ़ता है और महीने में 500-600 रुपए तक का खर्चा सिर्फ पानी पर ही हो जाता है।

3. दिल्ली जल बोर्ड बिल में 60% पानी की खपत का टैक्स सीवर के लिए होता है। सरकार को सीवर डालना ज़रूरी है !

4. पानी मुफ़्त हो फिर भी अगर टैंकर का इंतज़ार करते हो तो उसका भी खर्चा लगता है, वक्त बर्बाद होने में।

## याद रखें

1. दिल्ली में औसत प्रति व्यक्ति पानी का उपयोग: 13.5 बाल्टी (135 लीटर) ।
2. दिल्ली जल बोर्ड के हिसाब से प्रति व्यक्ति दैनिक पानी की आवश्यकता 174 लीटर है।
3. आवासीय क्षेत्रों में टंकी या तो 500 लीटर (छोटी) या 1000 लीटर (बड़ी) हैं।
4. पानी के टैंकरों की क्षमता 3000 लीटर से 9000 लीटर तक होती है।

## गतिविधि के परिणाम:

## उद्देश्य :

*इस गतिविधि के माध्यम से हम यह चर्चा करना चाहते हैं की अच्छे और समलित सार्वजनिक स्थानों में क्या ख़ूबियां होनी चाहिए, महिलाओं, पुरुषों और ट्रांस जेंडर लोगों के नज़रिये से।*

## प्रक्रिया :

### 01 मैदान, मार्किट, मोन्यूमेंट

सदस्यों से पूछें कि वे किस तरह की सार्वजनिक जगहों पर अपने खाली समय में जाना पसंद करते हैं: अकेले, परिवार या दोस्तों के साथ। कुछ उदाहरण दें जैसे मंदिर, बाज़ार, पार्क आदि।

### 02 शहर में आपका पसंदीदा स्थान क्या है?

सदस्यों को बिंदी का उपयोग करके दिल्ली में अपने पसंदीदा सार्वजनिक स्थानों को नक़्शे पर चिह्नित करने के लिए कहें। महिलाओं के लिए लाल, पुरुषों के लिए काला और ट्रांसजेंडर के लिए रंगीन बिंदीयां हैं।

### 03 क्यों?

सदस्यों को उन गुणों के बारे में सोचने के लिए कहें जो वे सार्वजनिक स्थान पर ढूँढ़ते हैं। इसके बाद, उन्हें बैलट चार्ट में बिंदीयों का उपयोग करके अपने पसंदीदा गुणों पर वोट करने के लिए कहें।

### 04 विचार-विमर्श

वोटिंग के बाद, उन गुणों की चर्चा करें, जिन्हें लोगों ने सबसे ज़्यादा चुना और उसके कारण।



## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. दिल्ली को ऐसे सार्वजनिक स्थान चाहिए जो सभी लिंगों के लिए सुरक्षित हों और सभी क्षमताओं के सभी लोगों के लिए सुलभ हों।

2. शहर को सभी निवासियों की भलाई के लिए हरे-भरे, चलने योग्य और स्वच्छ स्थानों की आवश्यकता है।

3. दिल्ली को ऐसे सार्वजनिक स्थानों की आवश्यकता है जो कि स्ट्रीट वेंडर्स जैसे असंगठित आजीविका का समर्थन करते हों।

## याद रखें

अलग-अलग रंग की बिंदीयां इस्तेमाल करने का कारण यह है की हम देखना चाहते हैं की महिलाओं, पुरुषों और ट्रांसजेंडर लोगों की ज़रूरतें और कठिनाईयाँ क्या हैं क्यूंकि वह अलग-अलग होती हैं।

## गतिविधि के परिणाम:

# गतिविधि 5 : रोज़गार

### उद्देश्य :

*इस गतिविधि के माध्यम से हम लोगों के रोज़गार से संबंधित कठिनाईयों को सामने लेकर आना चाहते हैं और किन-किन क्षेत्रों में बदलाव लाया जा सकता है, उसकी चर्चा करना चाहते हैं।*

### प्रक्रिया :

**01 आप क्या काम करते हो?**

सदस्यों से उनकी रोज़गार के बारे में पूछें और गतिविधि के लिए बैलट चार्ट का प्रसार करें।

**02 आजीविका से संबंधित कठिनाइयाँ**

सदस्यों से पूछें कि वे अपने रोज़गार से सम्बंधित किन कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और उन्हें बैलेट चार्ट में दिए गए मुद्दों से जोड़ें।

**03 वोटिंग**

इसके बाद सदस्यों को किसी भी रंग की बिंदी लेकर बैलट चार्ट पर वोट करने के लिए बोलें।

**04 विचार-विमर्श**

सदस्यों ने सबसे अधिक जिन मुद्दों पर वोट दिए और उनके अनुसार संभव समाधान क्या हो सकते हैं, इस पर आगे चर्चा करें।



## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. दिल्ली में असंगठित कामगारों की मान्यता और पहचान की आवश्यकता है।

2. महौल्ले के स्तर पर कामगारों के लिए सामुदायिक कार्य केंद्र और कचरे की छंटाई के लिए स्थान आवंटन की ज़रूरत है।

3. स्ट्रीट वेंडर और साप्ताहिक मर्किट के लिए शहर में जगह की आवश्यकता है ।

4. शहर में किफायती आवास के लिए कम से कम 10% ज़मीन को आरक्षित करें । मौजूदा बस्तियों को इस में शामिल करें और उन्हें पूरा पट्टा अधिकार और मूलभूत सेवाएं दें।

5. महिला कामगारों की सुविधा के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और बच्चों की देखभाल के लिए अच्छे प्रावधान मोहल्ले के स्तर पर हों ।

## गतिविधि के परिणाम:

# गतिविधि 6 : सामाजिक सुविधाएं

## उद्देश्य :

*इस गतिविधि के माध्यम से हम यह जानना चाहते हैं कि सदस्यों के महौल्ला में किस प्रकार की सुविधाओं का अभाव है और वे उसमें  कैसा विकास देखना चाहेंगे।*

## प्रक्रिया :

### 01 मेरा महौल्ला

सदस्यों से पूछें कि उनके अनुसार उनके इलाके में किस तरह की सार्वजनिक सुविधाएं जैसे स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक केंद्र आदि की कमी है और यह भी पूछ सकते हैं की उनके हिसाब से आदर्श महौल्ला कैसा होना चाहिए।

### 02 आप क्या चाहते हैं?

इनफार्मेशन कार्ड बाहर रखें और सदस्यों के साथ उनकी चर्चा करें। इसके बाद उन्हें कोई भी 3 कार्ड उठाने के लिए कहें जो उन्हें लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण हैं और उनके इलाके में इनकी ज़्यादा आवश्यकता है।

### 03 गिनती

गिनती करें की कौनसे कार्ड सबसे ज़्यादा सदस्यों द्वारा उठाये गए।

### 04 विचार-विमर्श

सदस्यों के साथ सबसे ज़्यादा चुने कार्ड पर चर्चा करें और उनसे अपने विचार बांटने के लिए कहें। कि उन्हें अपने इलाके में इन सुविधाओं की सबसे अधिक आवश्यकता क्यों है।



## वर्कशॉप से उभरती माँगे

1. हर महौल्ले में शिशु देखभाल केंद्र होने चाहिए, भले ही कार्यकाल या सामाजिक--आर्थिक स्थिति कैसी भी हो
2. असंगठित कामगार  जैसे कि घर-खाता कामगार और कचरा बीनने वालों के लिए कार्यस्थल प्रदान किए जाने चाहिए
3. हर बस्ती में बहुमुखी सामुदायिक केंद्र उपलब्ध कराए जाने चाहिए

## गतिविधि के परिणाम:

* उदाहरण: सबसे ज़्यादा चुने गए कार्ड

# 5. आखरी भाग

## 1. सबसे ज़रूरी मुद्दा कौनसा था?

गतिविधियों के समाप्त होने के बाद, सदस्यों से पूछें की उनके मुताबिक़ कौन सी गतिविधि सबसे महत्त्वपूर्ण थी। उनसे पूछें की उन्हें सबसे ज़्यादा क्या पसंद और क्या नापसंद आया।

## 2. आगे क्या कर सकते हैं?

सदस्यों को बताएं की हमारे शहर का मास्टर प्लान दिल्ली विकास प्राधिकरण ने प्रकाशित कर दिया है। अपनी ज़रुरतों को डी. डी. ऐ. तक पहुँचाने के लिए यह निम्नलिखित तरीकों को अपना सकते हैं :

1 यह प्लान डी.डी.ए की वेब्सायट पर अंग्रेज़ी और हिंदी भाषा में उपलब्ध हैं।

https://dda.org.in

2 अपने आपत्ति और सुझाव को दिल्ली विकास प्राधिकरण तक पहुँचाने के लिए यहां पर जा सकते हैं

http://online.dda.org.in/MPD2041

3 लिखित रुप से इस पते पर भेज सकते हैं। इसमें आप नीचे अपना नाम, पता और टेलेफ़ोन नम्बर/ सम्पर्क नम्बर/ ईमेल आइडी लिखना ना भूलें।

कमिशनर-सेक्रेटरी, दिल्ली विकास प्राधिकरण, बी- ब्लॉक, विकास सदन, नई दिल्ली-110023

## 3. जानकारी बाटें

सदस्यों को पर्चे बाटें और उन्हें बताएं कि इसमें मास्टर प्लान के बारे में बुनियादी जानकारी, आने वाले मास्टर प्लान के साथ वह कैसे जुड़ सकते हैं उसकी जानकारी और सभी गतिविधियों की सीख शामिल है। सदस्यों को आने वाले मास्टर प्लान के अपडेट देखने के लिए कहें!

*यह टूलकिट **मैं भी दिल्ली** अभियान के लिए, **सेवा** के समर्थन से, **सोशल डिज़ाइन कोलैबोरेटिव** द्वारा डिज़ाइन की गई है। डिज़ाइन की पायलट प्रक्रिया के लिए हम **इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी**, **बस्ती सुरक्षा मंच**, और अभियान के सभी कोऑर्डिनेटर के आभारी हैं।*

मैं भी दिल्ली अब शहर साथ बनाएंगे

SEWA DELHI

SOCIAL DESIGN COLLAB

मैं भी दिल्ली
अब शहर साथ बनाएंगे

# अब शहर साथ बनाएंगे !

# आगे क्या करना है?

हमें यह समझना और सुनिश्चित करना होगा की क्या दिल्ली मास्टर प्लान के नक़्शे में हमारी बस्ती है? क्या इस प्लान में हमारे काम करने की जगह को सुनिश्चित किया है? क्या हमारी ज़रूरतों को इसमें शामिल किया गया है?

*अगला मास्टर प्लान आ चुका है। अपने सुझावों को सरकार तक पहूँचाने के ये तीन आसान तरीके हैं :*

1

**अपने सुझावों को डी.डी.ऐ. की वेबसाइट पर भेजें**

यह प्लान डी.डी.ए की वेब्सायट पर अंग्रेज़ी और हिंदी भाषा में उपलब्ध हैं।

https://dda.org.in ←

2

सुझाव

अपने आपत्ति और सुझाव को दिल्ली विकास प्राधिकरण तक पहुँचाने के लिए यहां पर जा सकते हैं

http://online.dda.org.in/MPD2041

3

लिखित रुप से इस पते पर भेज सकते हैं। इसमें आप नीचे अपना नाम, पता और टेलेफ़ोन नम्बर/ सम्पर्क नम्बर/ ईमेल आइडी लिखना ना भूलें।

**कमिशनर-सेक्रेटरी, दिल्ली विकास प्राधिकरण,**
**बी- ब्लॉक, विकास सदन, नई दिल्ली-110023**

# कौन है मास्टर? क्या है प्लान?

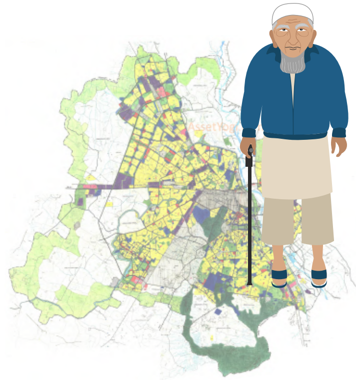

## दिल्ली मास्टर प्लान क्या है?

दिल्ली मास्टर प्लान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विकास और निर्माण परियोजना पे दिशा निर्देश प्रदान करने के लिए हर **20 साल** तैयार किया जाता है। इसमें यातायात, आवास, सुविधाएं, रोज़गार आदि की योजना शामिल है।

## मास्टर प्लान कौन बनाता है?

मास्टर प्लान **डी.डी.ऐ.** (दिल्ली विकास प्राधिकरण) द्वारा तैयार किया जाता है। अभी तक 3 मास्टर प्लान बन चुके हैं और अब **अगला मास्टर प्लान वर्ष 2041 के लिए तैयार किया जा रहा है।** नीचे पिछले 3 मास्टर प्लान के नक़्शे दिए हुए हैं:

**1962** 1982 के लिए

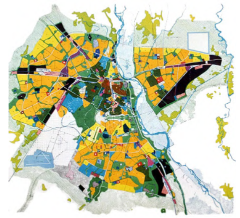

**2001**

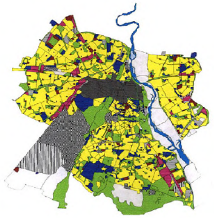

**2021**

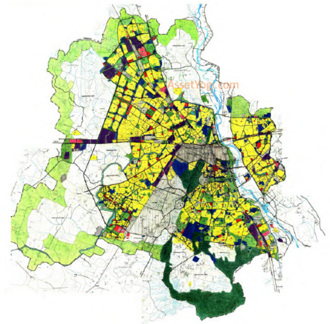

*दिल्लीवालों! हमारे शहर का मास्टर प्लान दिल्ली विकास प्राधिकरण ने प्रकाशित कर दिया है। इस के लिए उन्होंने हमारे सुझाव और आपत्ति भी माँगे हैं जो हम लिखित में या ऑनलाइन भर सकते हैं।*

मैं भी दिल्ली
अब शहर साथ बनाएंगे

*ऊपर दिए गए लैंड यूज़ (भूमि उपयोग) नक्शों में अलग अलग रंग हैं। पीला रंग आवास, लाल रंग व्यावसायिक, हरा रंग हरे क्षेत्र और नीला रंग सार्वजनिक सुविधाओं को दर्शाता है।*

***अब शहर साथ बनाएंगे !***

# वर्कशॉप से उभरती माँगे

## यातायात

- दिल्ली के सभी निवासियों के लिए किफ़ायती सार्वजनिक यातायात की आवश्यकता है ताकि आपकी यात्रा की मासिक लागत आपकी आय के 10% से कम हो।
- पीक आवर की यात्रा 45 मिनट के भीतर होनी चाहिए और आपके घर से 5 मिनट के अन्तराल से बसें चलनी चाहिए।
- हमारी सड़कों को पैदल और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित होना चाहिए।

## रोज़गार

- दिल्ली में असंगठित कामगारों की पहचान की आवश्यकता है।
- महौल्ले  के स्तर पर कामगारों के लिए सामुदायिक कार्य केंद्र और कचरे की छंटाई के लिए स्थान आवंटन की ज़रूरत है।
- स्ट्रीट वेंडर और साप्ताहिक मर्किट के लिए शहर में जगह की आवश्यकता है ।

## आवास

- आवास की सबसे अधिक कमी ई.डब्ल्यू.एस (आर्थिक रूप से कमजोर) वर्ग के भीतर है, यानी जिनकी पारिवारिक मासिक आय 25,000 रुपये से कम है।
- सभी के लिए पर्याप्त आवास का मतलब है हर व्यक्ति के लिए 15 गज औसत रहने योग्य स्थान।
- ज़बरन बेदखली नहीं होनी चाहिए और बस्ती का पुनर्वास 5 किलोमीटर के भीतर ही होना चाहिए यदि उन्नयन संभव न हो।

## सार्वजनिक स्थान

- दिल्ली को ऐसे सार्वजनिक स्थान चाहिए जो सभी लिंगों के लिए सुरक्षित हों और सभी क्षमताओं के लोगों के लिए सुलभ हों।
- शहर को सभी निवासियों की भलाई के लिए हरे-भरे, चलने योग्य और स्वच्छ स्थानों की आवश्यकता है।
- दिल्ली को ऐसे सार्वजनिक स्थानों की आवश्यकता है जो कि स्ट्रीट वेंडर  जैसे असंगठित आजीविका का समर्थन करते हों।

## सुविधाएं

- दिल्ली के सभी निवासियों के लिए सार्वभौमिक सुविधाओं जैसे साफ़ पानी, सीवर सिस्टम, बिजली की ज़रूरत है।
- मूलभूत सुविधाएं सभी के लिए किफायती होना चाहिए ताकि वह आपकी मासिक आय के 10% से अधिक न हों।
- पानी के समान वितरण के लिए, सभी निवासियों को प्रतिदिन कम से कम 17 बाल्टी पानी मिलनी चाहिए।

## सामाजिक सुविधाऐं

- हर महौल्ले में शिशु देखभाल केंद्र होने चाहिए, भले ही कार्यकाल या सामाजिक-आर्थिक स्थिति कैसी भी हो।
- असंगठित कामगारों जैसे की  घर-खाता कामगार और कचरा बीनने वालों के लिए कार्यस्थल प्रदान किए जाने चाहिए।
- हर बस्ती में बहुमुखी सामुदायिक केंद्र उपलब्ध कराए जाने चाहिए।